प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी के एम.एससी. (कैमिस्ट्री) प्रोग्राम में प्रवेश की नई परीक्षा लागू, उम्मीदवारों को एम.एससी. के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जैम) देनी होगी

मंडी, 6 मई 2019 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के मास्टर ऑफ साइंस (एमएस.सी.) प्रोग्राम के लिए 2019 से नई प्रवेश परीक्षा शुरू की गई है। अब उम्मीदवारों को संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जैम) में सफलता के आधार पर आईआईटी मंडी के एम.एससी. (कैमिस्ट्री) प्रोग्राम में प्रवेश दिया जाएगा। इस परीक्षा के लिए आवेदन हर वर्ष अप्रैल में स्वीकार किए जाते हैं और परिणामों की घोषणा जून में की जाती है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जैम) में सफल उम्मीदवार विभिन्न आईआईटी जैसे आईआईटी मंडी, आईआईटी मद्रास, आईआईटी खरगपुर, आईआईटी भुवनेश्वर, आईआईटी बंबई, आईआईटी दिल्ली और ऐसे अन्य संस्थानों में एम.एससी. (दो वर्षीय), संयुक्त एमएस.सी.–पीएच.डी., एमएस.सी.–पीएच.डी., डुअल डिग्री और अन्य पोस्ट बैचलर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन शिक्षा कार्यक्रमों में प्रतिभा के आधार पर प्रवेश किए जाएंगे। जैम के लिए किसी देश के उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं और परीक्षा में भाग लेने की कोई आयु सीमा नहीं होगी।

जैम 2019 में सात विषयों – बायोलॉजिकल साइंसेज़ (बीएल), बायोटेक्नोलॉजी (बीटी), कैमिस्ट्री (सीवाई), जीयोलॉजी (जीजी), गणित (एमए), मैथेमैटिकल स्टैस्टिटिक्स (एमएस) और भौतिकी (पीएच) के लिए परीक्षा आयोजित की गई। इस वर्ष आईआईटी मंडी के एमएस.सी. (कैमिस्ट्री) प्रोग्राम में कुल 40 सीटें हैं।

जैम लागू करने से पूर्व आईआईटी मंडी उम्मीदवारों के आवेदन आमंत्रित कर संस्थान स्तर पर प्रवेश देता था। इसके बाद आरंभिक प्रवेश परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार होता था। 2019 से आईआईटी मंडी ने एम.एससी. प्रोग्राम के सभी उम्मीदवारों के लिए जैम की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया। इसके आधार पर वे आईआईटी मंडी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए देखें : https://jam.iitkgp.ac.in/jam2019/doc/JAM-2019AdmissionBrochure.pdf

###

जैम का परिचय

एम.एससी. के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जैम) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (विभिन्न आईआईटी), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी., बंगलुरु), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं शोध संस्थान (आईआईएसईआर) और अन्य सर्वश्रेष्ठ भारतीय संस्थानों जैसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), एनआईएसईआर भुवनेश्वर आदि के मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) और अन्य पोस्ट–ग्रैजुएट साइंस प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए हर वर्ष आयोजित होने वाली परीक्षा है। 2004 से आरंभ इस परीक्षा के माध्यम से विभिन्न आईआईटी में एम.एससी. (चार सेमेस्टर), संयुक्त एमएस.सी.–पीएच.डी., एमएस.सी.–पीएच.डी., डुअल डिग्री आदि प्रोग्राम और आईआईएससी. में इंटीग्रेटेड पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश दिए जाते हैं ताकि मेधावी विद्यार्थियों के लिए विज्ञान कॅरियर का बेहतर विकल्प बने। आईआईटी और आईआईएससी के ये पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम अपने–अपने विषय–क्षेत्र में उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करते हैं जिनकी तुलना विश्व की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा से की जाती है।

आईआईटी मंडी का परिचय (http://www.iitmandi.ac.in/)

जुलाई 2009 में विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,300 विद्यार्थी (274 पीएचडी, 46 एमएस और 17 आई–पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर) के साथ 110 फैकल्टी, स्टाफ में 150 लोगों का होना बड़ी उपलब्धि है। आईआईटी मंडी कामंद स्थित एक पूर्ण आवासीय संस्थान है जिसका वर्तमान में 1.5 लाख वर्ग मी. निर्माणाधीन है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (https://www.nirfindia.org/) के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2019 में आईआईटी मंडी को 20वां रैंक दिया गया।

सन् 2010 से अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक 85 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 180 प्रोजेक्ट हासिल कर चुके हैं। इनमें खास तौर से उल्लेखनी है एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) जिसकी 2013 में लगभग 50 करोड़ के निवेश से स्थापना की गई। इसमें मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण हैं। आईआईटी मंडी में शोध के लिए 'क्लास 100 क्लीन रूम' भी है जो भारत का ऐसा पहला और विश्वस्तरीय शोध केंद्र है। 2017 में भारत सरकार के जैवतकनीकी विभाग ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. के प्रतिष्ठित फार्मजोन प्रोजेक्ट के नेतृत्व के लिए चुना।

इसका प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम संस्थान के 4 साल के डिज़ाइन और इनोवेशन स्ट्रीम पर केंद्रित है। यह संस्थान डाटा साइंस और इंजीनियरिंग में बी. टेक. कोर्स शुरू करने वाला पहला आईआईटी होगा। जर्मनी में टीयू 9 के साथ मई 2011 से आईआईटी मंडी के कई सहमति करार के तहत कार्य जारी हैं। 2013 से हर वर्ष अमेरिका के वॉरसेस्टर पॉलीटेक्निक इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी आईआईटी मंडी आते हैं। इनकी संख्या 22 से अधिक हो गई है।

सन् 2016 में आरंभ आईआईटी मंडी का कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। आईआईटी मंडी की एक अन्य पहल 'इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली' (ईडब्ल्यूओके) का मकसद महिलाओं को ग्रामीण स्तर के कारोबार शुरू करने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना है।

Media contact for IIT Mandi:

IIT Mandi Media Cell - mediacell@iitmandi.ac.in/ Landline: 01905267832

Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com
Samriddhi Bhal - Footprint Global Communications
Cell: 7905887524 / Email: samriddhi.bhal@footprintglobal.com
Palak Sakhuja - Footprint Global Communications
Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com

Indian
Institute of
Technology
Mandi